हिन्दी पाठ- १

मातृभाषा - हिन्दी

कक्षा - १

3AF2KW

शिक्षक शिक्षा निदेशालय तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, ओड़िशा, भुवनेश्वर

ओड़िशा विद्यालय शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण, भुवनेश्वर

हिन्दी पाठ - १

मातृभाषा - हिन्दी

कक्षा - १

पाठ्य-पुस्तक निर्माण समिति

प्रो. राधाकान्त मिश्र

डॉ. स्नेहलता दास

डॉ. सनातन बेहेरा

डॉ. लक्ष्मीधर दाश

डॉ. अजित प्रसाद महापात्र

संयोजिका :

डॉ. तिलोत्तमा सेनापति
डॉ. सविता साहु

प्रकाशक :

विद्यालय और गणशिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार

संस्करण : २०१७
२०१९

प्रस्तुति :

शिक्षक शिक्षा निदेशालय तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
ओड़िशा, भुवनेश्वर
और
ओड़िशा राज्य पाठ्यपुस्तक प्रणयन और प्रकाशन संस्था, भुवनेश्वर

मुद्रण : पाठ्यपुस्तक उत्पादन और विक्रय, भुवनेश्वर

विषय-सूची

क्र.नं.	विषय	पृष्ठ
१.	हम भी कुछ-कुछ जानते हैं	१
२.	झूला (कविता)	२
३.	झूले ही झूले	३
४.	मैं हूँ	४
५.	स्कूल का पहला दिन (चित्र देखकर बताओ)	५
६.	स्वरवर्ण	७
७.	कविता गाओ	१४
८.	चित्र देखकर नाम पूरा करो	१५
९.	प्राथमिक विद्यालय (चित्र देखकर बताओ)	१६
१०.	बच्चों का गीत	१८
११.	ल ल ला ला	२०
१२.	व्यंजन वर्ण	२१
१३.	बोलकर पढ़ो और लिखो	५२
१४.	छुक छुक गाड़ी	५३
१५.	रेल स्टेशन (चित्र देखकर बताओ)	५५
१६.	फल की दुकान	५७
१७.	बंदर और गिलहरी	५८
१८.	गप्पें	६०
१९.	गुदगुदी	६१
२०.	क्या - क्या	६२
२१.	कौन - कौन	६३

विषय-सूची

क्र.नं.	विषय	पृष्ठ
२२.	हमारा अजायब घर	६४
२३.	लालू और पिलू	६५
२४.	क्या होता	६७
२५.	मिठे बोल	६८
२६.	पकौड़ी	६९
२७.	क्या भाता है ? क्या नहीं भाता	७०
२८.	खेतका दृश्य (चित्र देखकर बताओ)	७१
२९.	छोटी का कमाल	७३
३०.	पहुँचेगा कौन चोटी पर	७४
३१.	चार चने	७५
३२.	चार चने होते तो	७६

3ANXHJ

हम भी कुछ-कुछ जानते हैं

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	

	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्राएँ -		ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ
	क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ

झूला

मामा, आज लगा दो झूला
हम झूले पर झूलेंगे।
इस पर चढ़कर उछल उछल कर
आसमान को छू लेंगे ।।

झूल रही है डाली डाली
झूल रहा है पत्ता पत्ता।
देखो देखो, इस डाली पर
डोलते फूल, झूमती लता।।

बड़ा मजेदार है यह झूला
ऊपर-जाता नीचे आता।
देखो देखो, इसे छूने को
चंदा मामा भी ललचाता।।

बादल गरजें, चिड़ियाँ बोलें
देखो, कहीं न इसको छू लें।
आओ यारा! हिलमिल खेलें
एक बार सब मिलकर झूलें ।।

3AXTP7

तुम्हार काम

इस कविता को याद करो और गाओ।

झूले ही झूले

3B7PQU

तुमने कहाँ किस झूले को देखा

बताओ :-

झूला ऊपर जाता है तो क्या-क्या चीजें दिखाई पड़ती हैं ? बताओ।

मैं हूँ

3BGKSH

मेरा नाम ________________ है।

मेरे पिताजी का नाम ________________ है

मेरे शिक्षक / शिक्षिका का नाम ________________ है।

तुम्हारा काम

अपनी कक्षा को देखो। वहाँ जो चीजें हैं, उनके चित्र बनाओ।

कुछ बनाओ

अपने अंगूठे की छाप में कुछ जोड़कर चित्र बनाओ

ऐसे :

3BQGU5

स्कूल का पहला दिन

(चित्र देखकर बताओ)

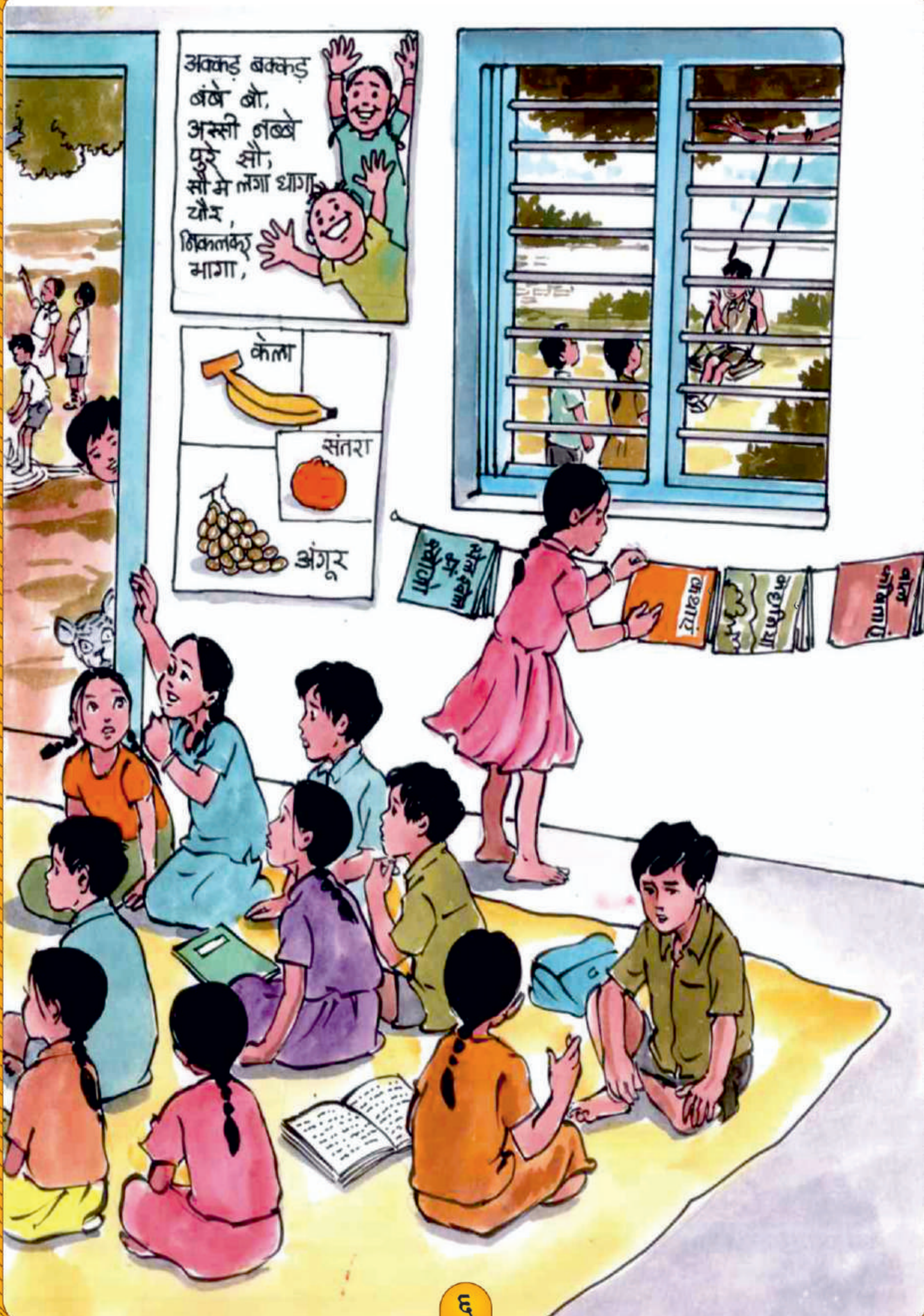
अक्कड़ बक्कड़
बंबे बो,
अस्सी नब्बे
पूरे सौ,
सौ मे लगा धागा
चोर ,
निकलकर
भागा,
केला
संतरा
अंगूर

स्वर वर्ण

अ अ

अनार

अजगर

अमरस

अचकन

अमर, अजय , अब , अजगर , असर, अचकन, अमरस, अनार, अचार

अ ॐ अ

आ आ
ा का

आम

आग

आसन

आसमान

कान

हाथ

नाक

ताला

आम, आज, आप, आसन, आठ, दाल, बाग नाम घास पास जाल चावल
गाजर, काला माला बाजा तारा खाना जाला माथा

आ ॐ अ आ

इ इ
ि कि

इमली

इमारत

इनाम

इलाज

किताब

गिलास

हिरन

चिड़िया

इस, इतना, इनाम, इलाका, इशारा, इकतारा, इतवार,

सिर, दिन, जिन , लिख, किला, सितार, चिमटा, टिकट, चिड़िया, मिठाई, डाकिया, विमान

इ ई
ी की

द इ इ इ

ईख

ईद

चीता

कील

ईख, ईश, ईसा, ईमान,ईनाम,

नीम, खीर, तीर, जीभ, घड़ी, झील, पानी, लड़की, दीपक, मछली, खिड़की, चीमनी

इ इ इ ई

उ उ
ु कु

उल्लू

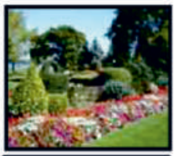
उपवन

उषा

उपहार

गुलाब

मुरगी

बुलबुल

कछुआ

उस, उठ, उगल, उड़, उदय, उषा, उलटा, उधर, उजाड़, उपज,उपवन, उपहार
चुप, गुड़िया, चुहिया, खुला, गुड़, दुकान, पुड़िया

ॽ उ उ

ऊन

ऊपर

ऊनी

ऊद्

फूल

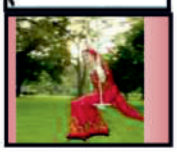
झूला

जूता

चूहा

ऊन, ऊपर, ऊधम, ऊद, झूला, सूना, सूखा, भूख, दूध, टूट, भूल
सूरज, आलू, भालू, चूड़ी, रूठ

ॽ उ ऊ ऊ

पहचानो और बोलो

उ(ु)	ऊ(ू)	ऊ(ू)	उ(ु)
झुला	झूला	सूखा	सुखा
सुना	सूना	चूहा	चुहिया
बुरा	बूरा	बूढ़ा	बुढ़िया

चित्रों के नाम पूरा करो।

__________ ता

__________ ला

__________ लाब

__________ ढ़ा

__________ राही

__________ लाज

बोल बोल कर लिखो।

झूला	बगुला	आलू	भालू
चूड़ी	गुलाब	गुलाल	पूड़ी
रुपया	रूपा	रूमाल	गुरुजी

एड़ी

एकतारा

ए े ए के

पेड़

केले

सेब, शेर, बेल, खेल, मेला, तेल, देश, पेट, बेर,रेल, भेड़, खेत, केला

एक, सवेरा, चेहरा, करेला, नेवला, कपड़े

ए ए ए

ऐ ै ऐ कै

ऐरावत

ऐनक

पैसा, बैल, थैला, मैना

कैसे, पैदल, बैठना, सैर, मैला, मैदा, मैदान

ए ए ए ऐ

आ ओ
ो को

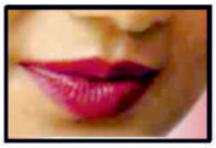
ओठ

ओखली

ओस

ओढ़नी

मोर

तोता

नोट

कोट

ओठ, ओस, ओखली, ओढ़नी
गोल, खोल, छोरा, मोती, बोलो, टोकरी, कटोरी, आओ, ओर, बरसो, सरसों

उ, अ, औ

औ औ
ौ कौ

औरत

औषध

औजार

औलाद

चौकी

पौधा

तौलिया

नौका

कौन, नौ, सौ, लौकी, कौड़ी, मौज, दौड़, मौसम,
फौज, मौसी, नौकर, चौकीदार

उ अ औ

अं ं

अंगूर

अंडा

डंडा

झंडा

अंक, अंत, अंश, अंधा, अंतर, अंदर , दंड, शंख, बंदर, हंस, सुंदर, मंदिर, डंका, मंजन

चित्र देखकर - लगाओ

बदर

मदिर

घटा

पतग

शख

एक बंदर जंगल में था। बड़ा ही नटखट। घंटा बजा । बंदर चौंका।

आँ ँ

आँख

अँगूठी

ऊँट

आँवला

उँगली

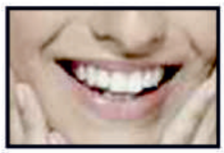

दाँत

सूँड, बाँस, टाँग, बूँद, चाँद, साँप

चित्र देखकर ँ लगाओ

चाद

पूछ

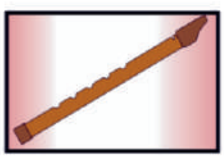

बासुरी

साप

लिखो : अंश, कंस, हंस, चंचल, मंजन, गाँव, टाँग, माँग, माँड़, माँ

कविता गाओ

अनार है लाल - लाल

आम है पीला

इमली खाई मीठी-खट्टी

ईख मीठा और रसीला।

उल्लू बोले आधी रात

ऊद रही पानी में नाच

एक एड़ी अभी दिखाओ

ऐनक पहनकर मत इतराओ।

ओखली में कुटता है धान

औरत करे बहुत-से काम

अ से औ तक बोल लिए

हमने हैं सब याद किए।

चित्र देखकर नाम पूरा करो

3CI4Z3

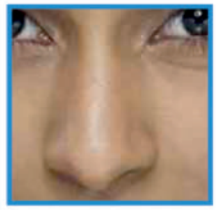

फ......... ब....... ....म न......... छ........

.........र ....ख ....ल ....प ....त

........ब ....क थ......... ....न ....स

.........न ....र ....ल ....क ....थ

.......न ....रत ....न

प्राथमिक विद्यालय

चित्र देखकर बताओ

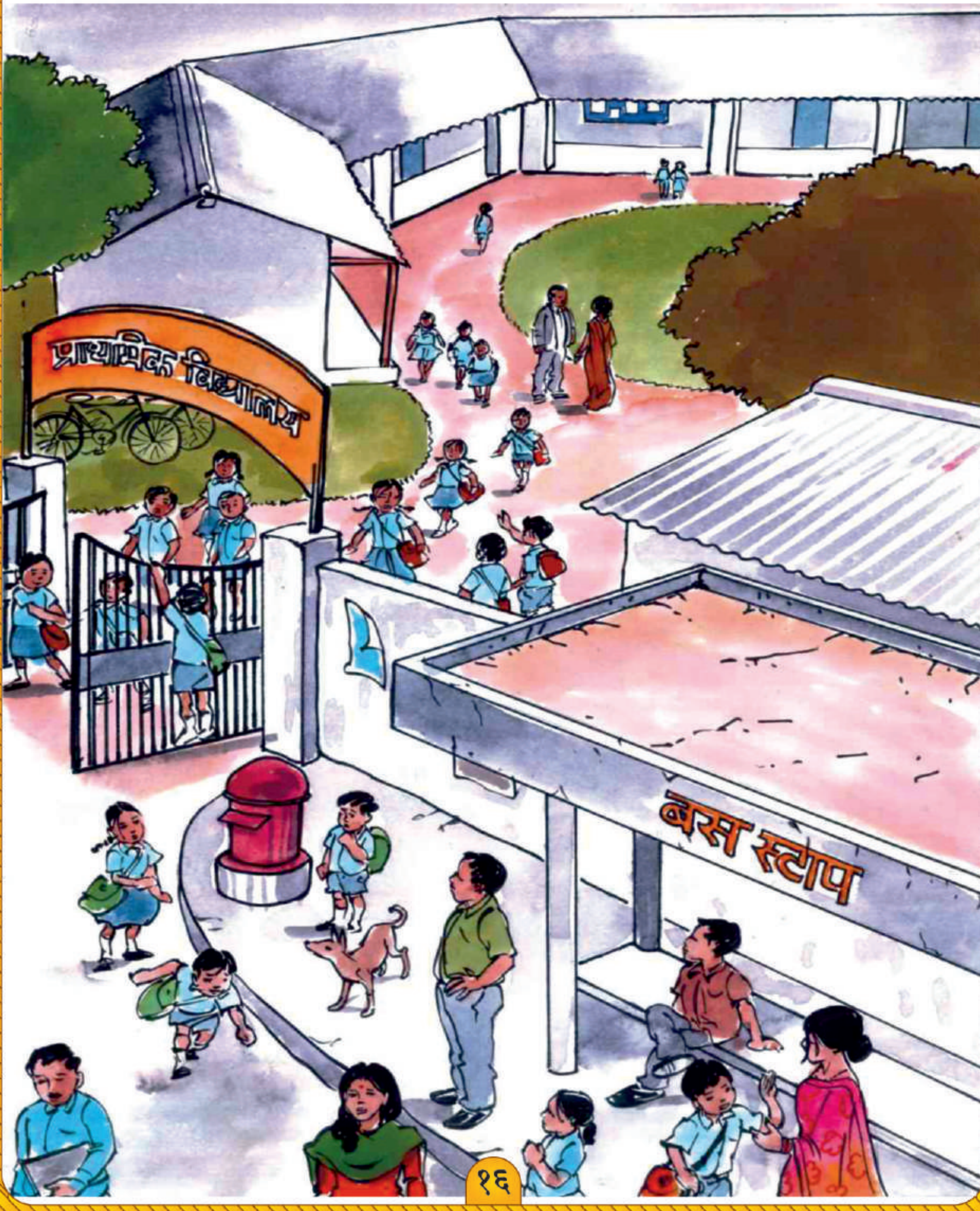

बच्चों से बातचीत करें-इस समय स्कूल में क्या हो रहा है ? बच्चे क्या -क्या कर रहे हैं ? स्कूल के बाहर कौन-कौन-सी गाड़ियाँ हैं ? बच्चे घर कैसे जा रहे हैं ?

बच्चों का गीत

रजत अब इधर आ। बस आ गई। बस पर चढ़। अब उतर।
घर चल। सड़क पर एक तरफ चल।

लाल गाजर लाल टमाटर
सफेद मूली हरा मटर
काला अंगूर पीला अमरुद
खाओ सलाद पियो दूध

मछली जल की है रानी
जीवन उसका है पानी।

चुहिया कुट कुट करती है।
आवाज हो तो रुकती है।

बड़े सवेरे जगा किसान
चला खेत में करने काम
पैदा करता वह अनाज
मजे में खाते लोग तमाम।

रिमझिम रिमझिम बारिश आई।
कितना सारा जल भर आई।

सूरज चमका चम चम चम चम
धूप चमकती तम तम तम तम
भालू नाचा छम छम छम छम
डमरू बजता डम डम डम डम

चली चली रे मेरी नैया
नाचती ताता थैया।
नहीं पकड़ना इसको सैया
मेरी लाड़ली कागज नैया।

जंगल में जब नाचे मोर
होता नहीं जरा भी शोर
मोर नाचे तो किसने देखा
हमने देखा तुमने देखा।

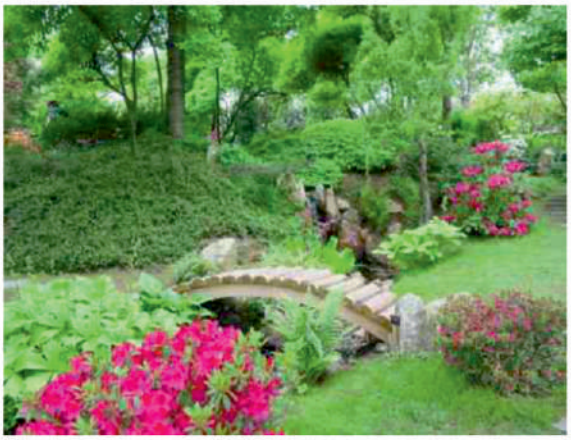

गमगम महके हमारा बाग
लगे हैं इसमें सौ गुलाब!
पेड़ पौधों से हरा भरा
कौन है भला इसका पहरा !!

ल ल ला ला

3DAS51

ल ल ल ल ललन

ला ला ला लाल लाला दादा छाता मामा काका

लि लि लि लिख, लिटर, लिफाफा, लिजलिजा

ली ली ली लाली, माली, काली लीली लीला

लु लु लु लुगदी, लुकाछिपी,

लू लू लू लू भालू कालू आलू

ले ले ले ले लेनदेन पेन चेन

लै लै लै लैला मैला करैला गैया भैया

लौ लौ लौ लौ लौकी चौकी मौसी

लं लं लं लंगर लंका गंगा

लँ लँ लँ लँगल काँकर

व्यंजन वर्ण

3DJN6N

क

कबूतर

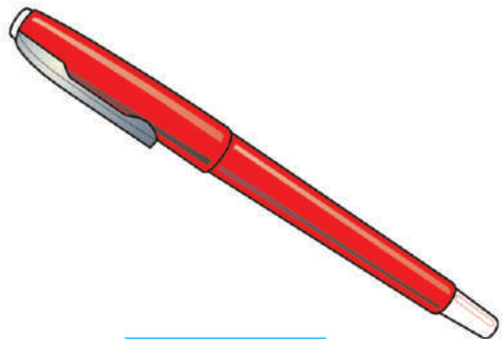

कलम

कप

कछुआ

लिखो

क

ख

खरगोश

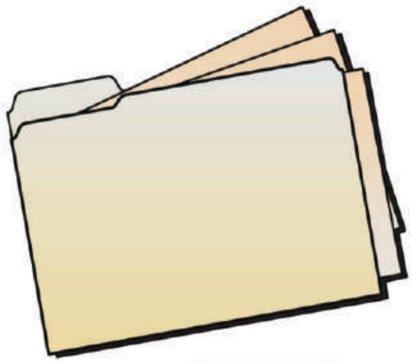

खत

खरबूजा

खटमल

लिखो

ख

ग

गधा

गमला

गदा

गदा

लिखो

ग

घ

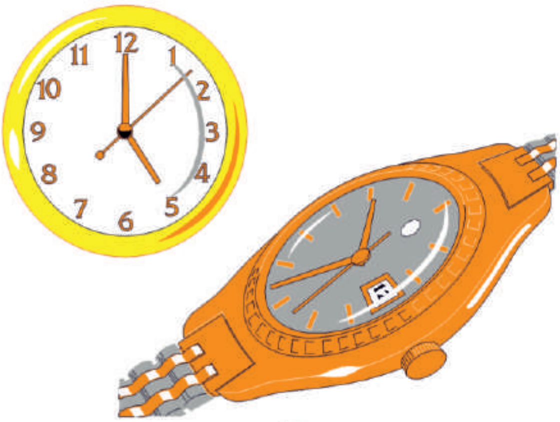

घड़ी

घड़ा

घर

ङ

लिखो

घ

च

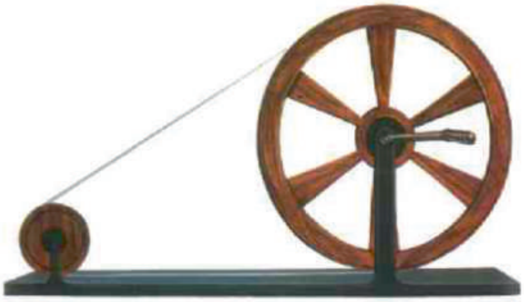

चरखा

चम्मच

चप्पल

चटनी

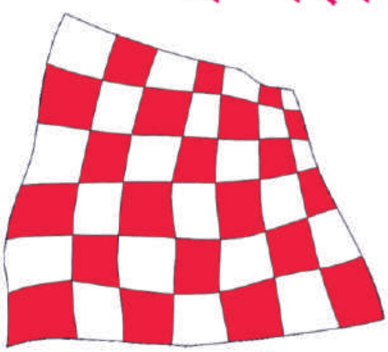

चटाई

लिखो

च

छ

छतरी

छलनी

छत

छड़ी

लिखो

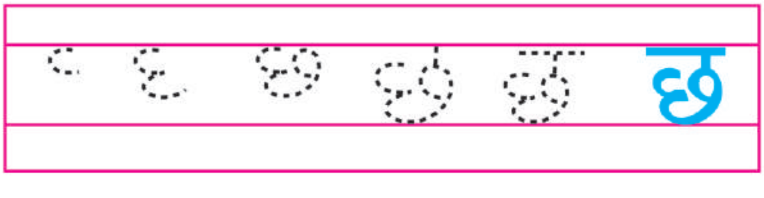

जहाज

जड़

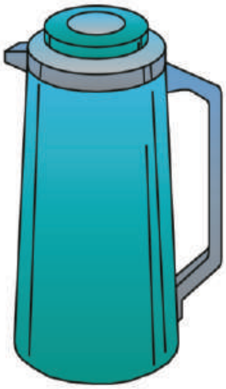

जल

जग

लिखो

ज

झ

झण्डा

झरना

अ

लिखो

झ

ट

टमाटर

टपकना

टनटन

टब

लिखो

ट

ठ

ठठेरा

ठकठक

ठप्पा

लिखो

ठ

ड

डमरू

डबलरोटी

डर

लिखो

ड

ढ

ढक्कन

ढफली

ढमढम

ढलान

लिखो

ढ

ण

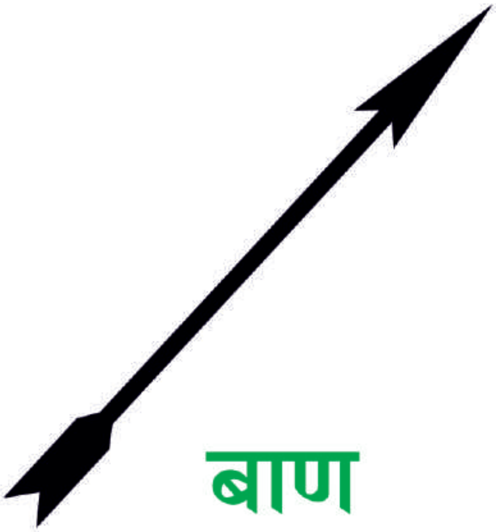

बाण

रावण

लिखो

ण

त

तकिया

तबला

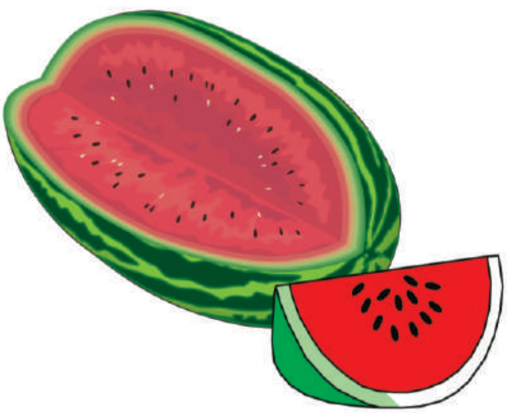

तरबूज

लिखो

त

थ

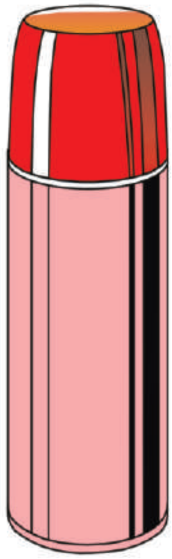

थरमस

थरमामीटर

लिखो

थ

दरवाजा

द

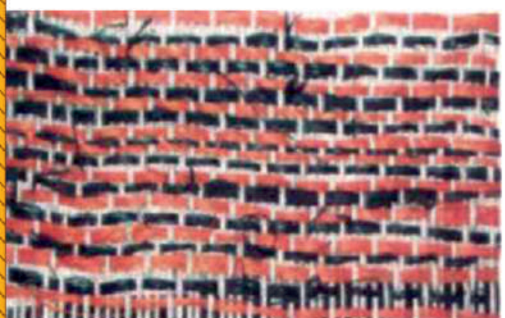

दवाई

दरी

लिखो

द

ध

धनुष

धरती

धन

लिखो

ध ध

न

नदी

नमक

नल

लिखो

न

प

परवल

पर

पतंग

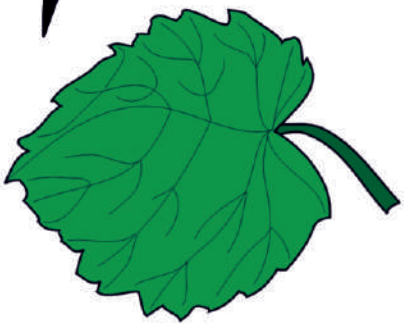

पत्ता

लिखो

प

फ

फन

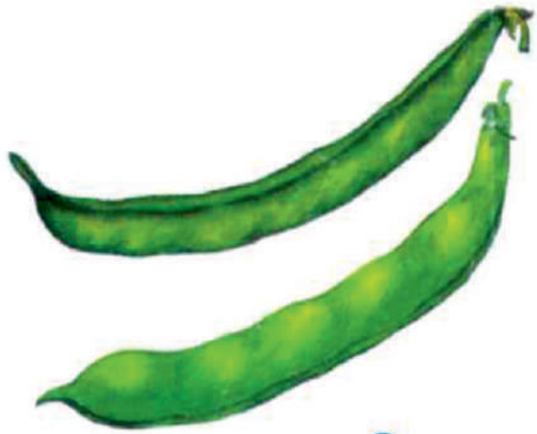

फली

फल

लिखो

फ

ब

बस

बन्दर

बतख

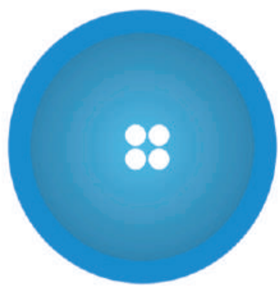

बटन

लिखो

ब

भ

भवन

भट्ठी

भजन

लिखो

भ

म

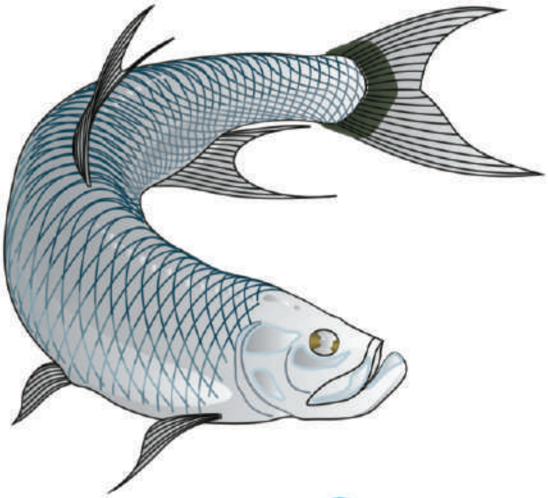

मछली

मटर

मगर

लिखो

म

य

यज्ञ

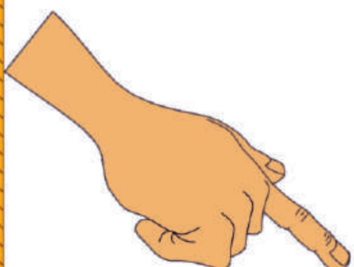

यन्त्र

यह

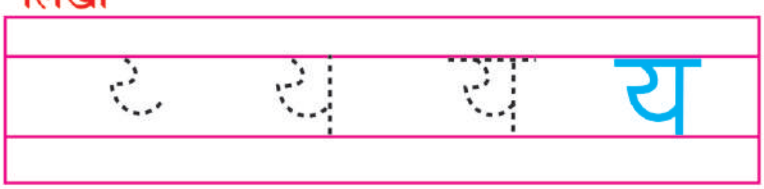

लिखो

य

र

रबड़

रस्सी

रस

लिखो

र

ल

लड़की

लड्डू

लकड़ी

लट्टू

लिखो

ल

व

वक

वर्षा

वन

लिखो

व

श

ष

शलगम

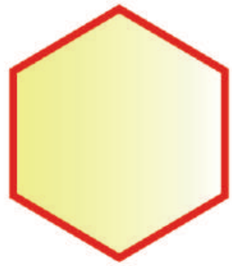

षट्कोण

6

षट

शरीफा

लिखो

श श श श श

ष ष ष ष ष

स

सब्जी

सरोवर

सरकस

सर्प

लिखो

स

ह

हलदी

हल

हड्डी

हथेली

लिखो

ह

ड़ ढ़

लिखो

ड़

ढ़

बोलकर पढ़ो और लिखो

3DTJ8B

कबूतर	कलम	कछुआ	कप
खरगोश	खरबूजा	खटमल	खत
गमला	गधा	गदा	गगन
घड़ी	घड़ी	घर	घटा
चटाई	चम्मच	चपत	चना
छतरी	छलनी	छड़ी	छत
जहाज	जल	जग	जड़
झरना	झंडा	झपकी	झख
टमाटर	टनटन	टब	टमटम
ठठेरा	ठप्पा	ठकठक	ठनठन
डमरू	डबल रोटी	डलफिन	डर
ढक्कन	ढमढम	ढपली	ढलान
बाण	रावण	गणना	चरण
तकिया	तबला	तरबूज	तराजू
थरमस	थरमामीटर	थन	थप्पड़
दरवाजा	दवाई	दरी	दर्पण
धरती	धनुष	धन	धड़कन
नदी	नगर	नल	नमक
पर	पतंग	पत्ता	पहिया
फल	फली	फन	फसल
बस	बटन	बत्तख	बन्दर
भवन	भट्टी	भजन	भस्म
मछली	मटर	मगर	मच्छर
यह	यज्ञ	यन्त्र	यमराज
रबड़	रस	रस्सी	रक्त
लड़की	लकड़ी	लड्डू	लट्टू
वर्षा	वक	वन	वह
शलगम	शरीफा	शक्कर	शहर
सब्जी	सरकस	सरोवर	सर्प
हलदी	हल	हथेली	हड्डी
जड़	पढ़	चढ़	गढ़

छुक छुक गाड़ी

3E3F9Y

देखो चली हमारी गाड़ी
छुक छुक गाड़ी
छुक छुक गाड़ी।

लाल हरी पीली नीली
छुक छुक गाड़ी
छुक छुक गाडी ।।

हट जाओ भैया सरको यार!
टकरा जाय तो पटरी पार।।
भक भक भक भक छुक-छुक, छुक-छुक
चली जाए यह तेज रफ्तार

घने जंगल हो बड़े पहाड़
रुके नहीं देख नदी की धार!
धम धम धम धम भागे छमा छम
चढ़े पुल कर शहर पार!

चित्र देखकर बताओ

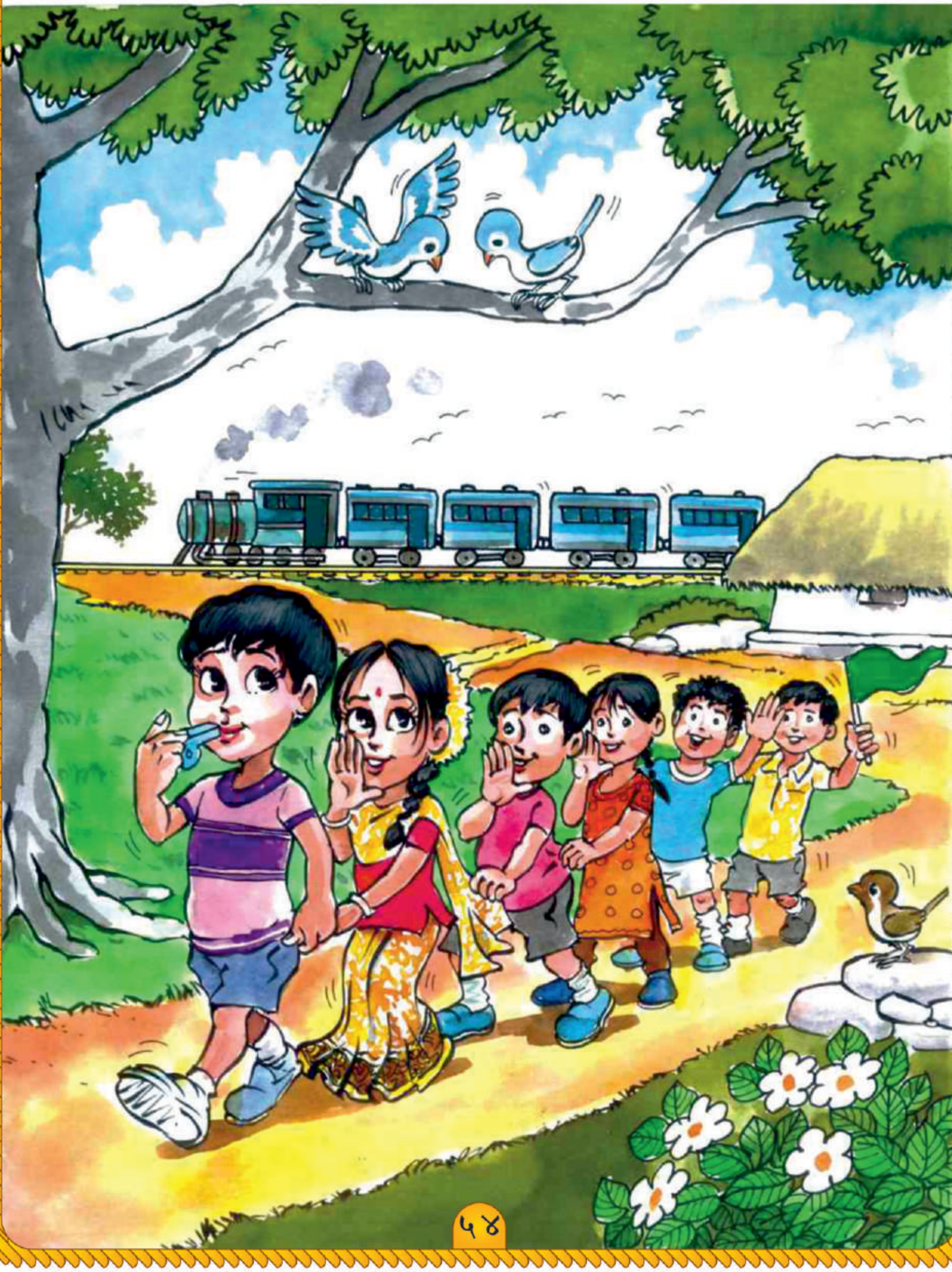

रेल स्टेशन

चित्र देखकर बताओ

पोलियो
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढें -सब बढे
टिकट
लक्ष्मी
चायवाला
सावधान

फल की दुकान

फल

सब्जियाँ

3EL709

तुम कितने फलों के नाम जानते हो, लिखो

सब्जियों के नाम लिखो

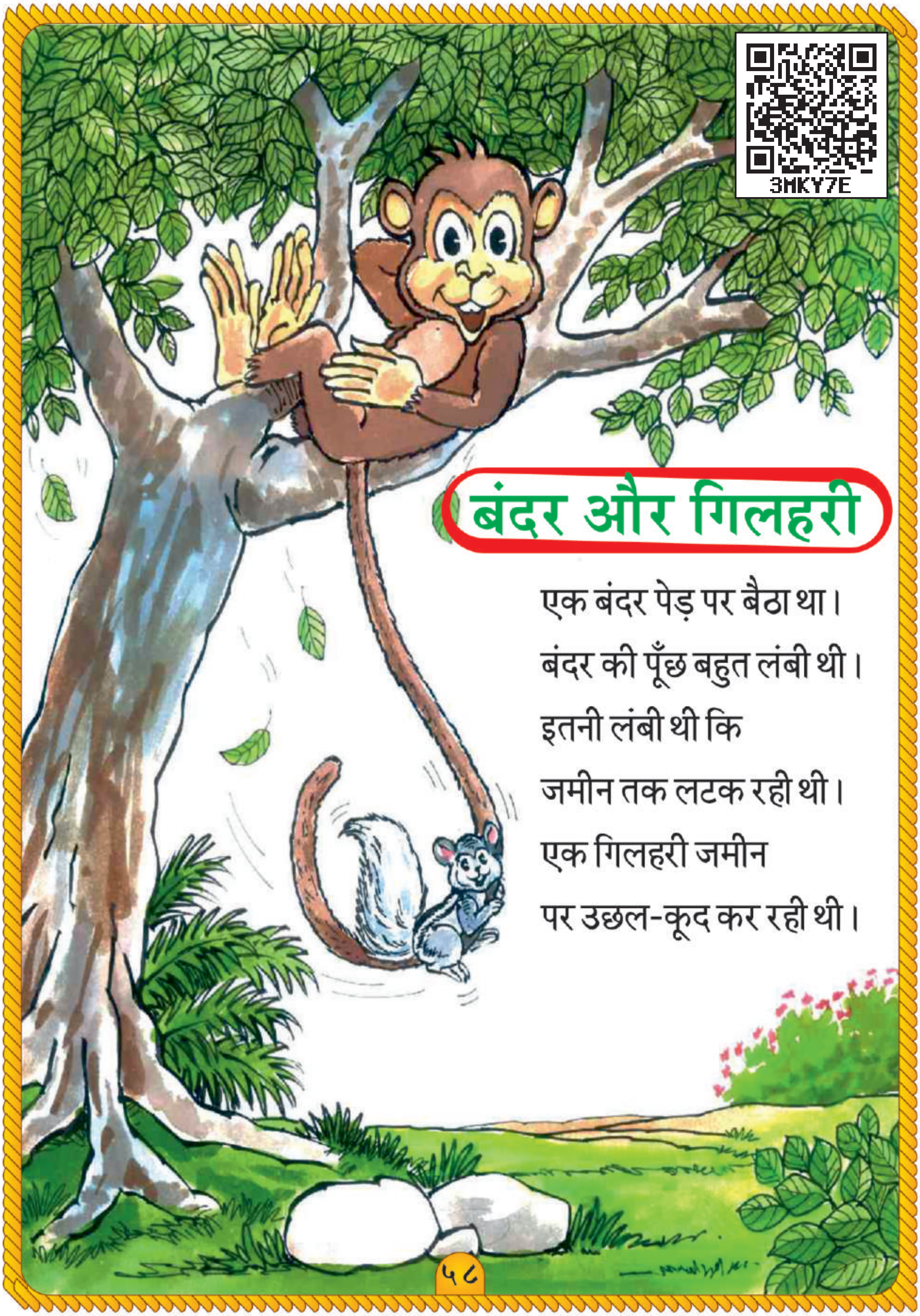

बंदर और गिलहरी

एक बंदर पेड़ पर बैठा था।
बंदर की पूँछ बहुत लंबी थी।
इतनी लंबी थी कि
जमीन तक लटक रही थी।
एक गिलहरी जमीन
पर उछल-कूद कर रही थी।

3HKY7E

अचानक उसे पूँछ दिखाई दी। उसने सोचा - यह झूला कहाँ से आ गया ? थोड़ी देर पहले तो नहीं था। वह पूँछ पर चढ़कर झूलने लगी। बंदर को गुदगुदी हुई। उसने नीचे देखा। वह हँस कर बोला- बहन गिलहरी ! यह क्या कर रही हो ? मुझे गुदगुदी हो रही है। गिलहरी चौंकी- बंदर भैया, यह तुम हो ? मैं तो तुम्हारी पूँछ को झूला समझकर झूल रही थी। बड़ा मजा आ रहा था।

और गिलहरी हँसती हुई पेड़ की डाली पर चढ़ गई।

गप्पें

बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,
इतनी लंबी जैसे सड़क
चूहे की मूँछ इतनी घनी थी, इतनी घनी थी,
इतनी घनी थी जैसे.............।

भालू इतना मोटा था, इतना मोटा था,
इतना मोटा था जैसे..........।
ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,
इतना ऊँचा था जैसे.............।

चुहिया इतनी छोटी थी, इतनी छोटी थी,
इतनी छोटी थी जैसे........।
कुत्ते की पूँछ इतनी टेढ़ी थी, इतनी टेढ़ी थी,
इतनी टेढ़ी थी जैसे............।

.........कोयल की............इतनी...........थी...............
...................जैसे..............।

गुदगुदी

कहानी में बंदर को गुदगुदी हुई।

अपने दोस्त को गुदगुदी करो।

पेट पर, पीठ पर, गर्दन पर,

हथेली पर, तलवे पर।

क्या हुआ ?

अब खुद को गुदगुदी करके देखो।

अब क्या हुआ ?

क्या करोगे

गिलहरी ने बंदर की पूँछ से झूला झूला, तुम इन चीजों से क्या-क्या करोगे ?

करके दिखाओ।

रूमाल ....

पेंसिल ....

फुटा ....

क्या-क्या

3NDLCC

तुम तो कितनी सारी चीजें खाते हो, जैसे दूध-भात, संतरा, केला। इनके अलावा तुम और क्या-क्या खाते हो ?

....

....

....

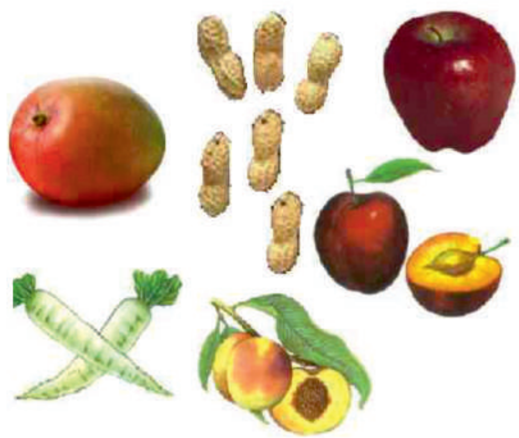

गिलहरी क्या-क्या खा लेती होगी ?

....

....

....

बंदर क्या-क्या खा लेता होगा ?

....

....

....

कौन-कौन

जानवरों में कौन-कौन उछल-कूद करता होगा ?

गाय	शेर	गधा	गिलहरी	हाथी
खरगोश	बिल्ली	चूहा	कुत्ता	ऊँट

उछल -कुद करते हैं	उछल-कूद नहीं करते
....	....
....	....
....	....
....	....

हमारा अजायब घर

जानवर	चिड़िया
हाथी, शेर	बतख, तोता, कबूतर
भालू, बकरी	मोर, गौरैया, चील
कुत्ता, गाय, खरगोश, हिरन	कौवा, कोयल, बगुला

तुम किन-किन जानवरों के नाम जानते हो, लिखो-

चित्र बनाओ -

किन पक्षियों के नाम जानते हो, लिखो -

चित्र बनाओ -

नाना रंग भरकर -

चित्र बनाओ -

किस जानवर का रंग कैसा होता है ?

काला, नीला, लाल, सफेद, भूरा, हरा

लालू और पीलू

एक मुर्गी थी। मुर्गी के दो चूजे थे।

एक का नाम था लालू। दूसरे का नाम था पीलू।

लालू लाल चीजें खाता था।

पीलू पीली चीजें खाता था।

एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल-लाल देखा।

लालू ने उसे खा लिया

अरे, यह तो लाल मिर्च थी !

लालू की जीभ जलने लगी। वह रोने लगा।

मुर्गी दौड़ी हुई आई। पीलू भी भागा। वह पीले-पीले गुड़ का टुकड़ा ले आया।

लालू ने झट गुड़ खाया। उसके मुँह की जलन ठीक हो गई। मुर्गी ने लालू और पीलू को लिपटा लिया।

क्या होता

अगर लालू और पीलू को सफेद और हरी चीजें पसंद होतीं तो क्या उनके नाम अलग-अलग होते ?

....

फिर वे क्या-क्या खाते ?

....

....

....

....

लाल मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गई। तुम्हारी जीभ क्या-क्या खाने-पीने से जलती है ?

....

....

जीभ जलने पर तुम क्या करते हो ?

....

....

....

....

मीठे बोल

3PP1KK

कबूतर - कहे गुटरु - गूँ

मुर्गी- बोले कुक्कुड- कूँ

तोता- बोले टें टें टें

बतख - बोले क्वें क्वें क्वें

चिडिया-बोली चीं चीं चीं

कोयल -गाए कुहू कुहू कुहू

पकौड़ी

दौड़ी - दौड़ी
आई पकौड़ी

छुन-छुन छुन-छुन
तेल में नाची,
प्लेट में आ
शरमाई पकौड़ी।

दौड़ी-दौड़ी
आई पकौड़ी।

हाथ से उछली
मुँह में पहुँची,
पेट में जा
घबराई पकौड़ी।

दौड़ी - दौड़ी
आई पकौड़ी।

मेरे मन को
भाई पकौड़ी।

क्या भाता है ? क्या नहीं भाता

ह ड़ औ
भ ज

चीजें	मजे से खाएँगे	खाना पड़ेगा	बिल्कुल नही खाएँगे
जलेबी			
समोसा			
बैंगन			
चुस्की			
करेला			
घीया (लौकी) 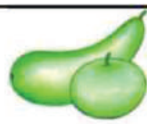			
आलु			
आम			

बच्चों से उनकी पसंद-नापसंद की चीजों के बारे में बातचीत करें और उसके अनुसार उचित खाने में सही का निशान लगाने को कहें।

खेत का दृश्य

चित्र देखकर बताओ

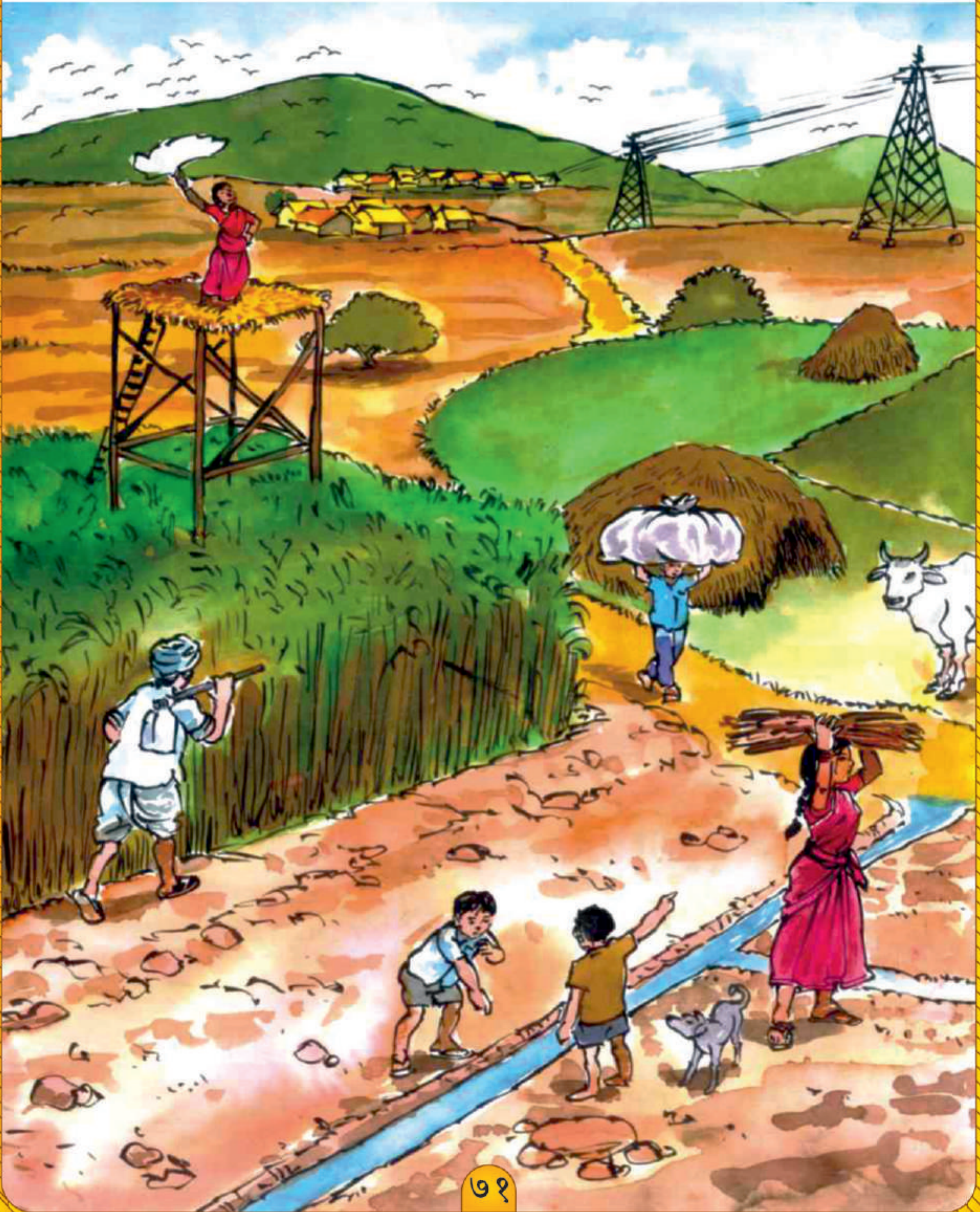

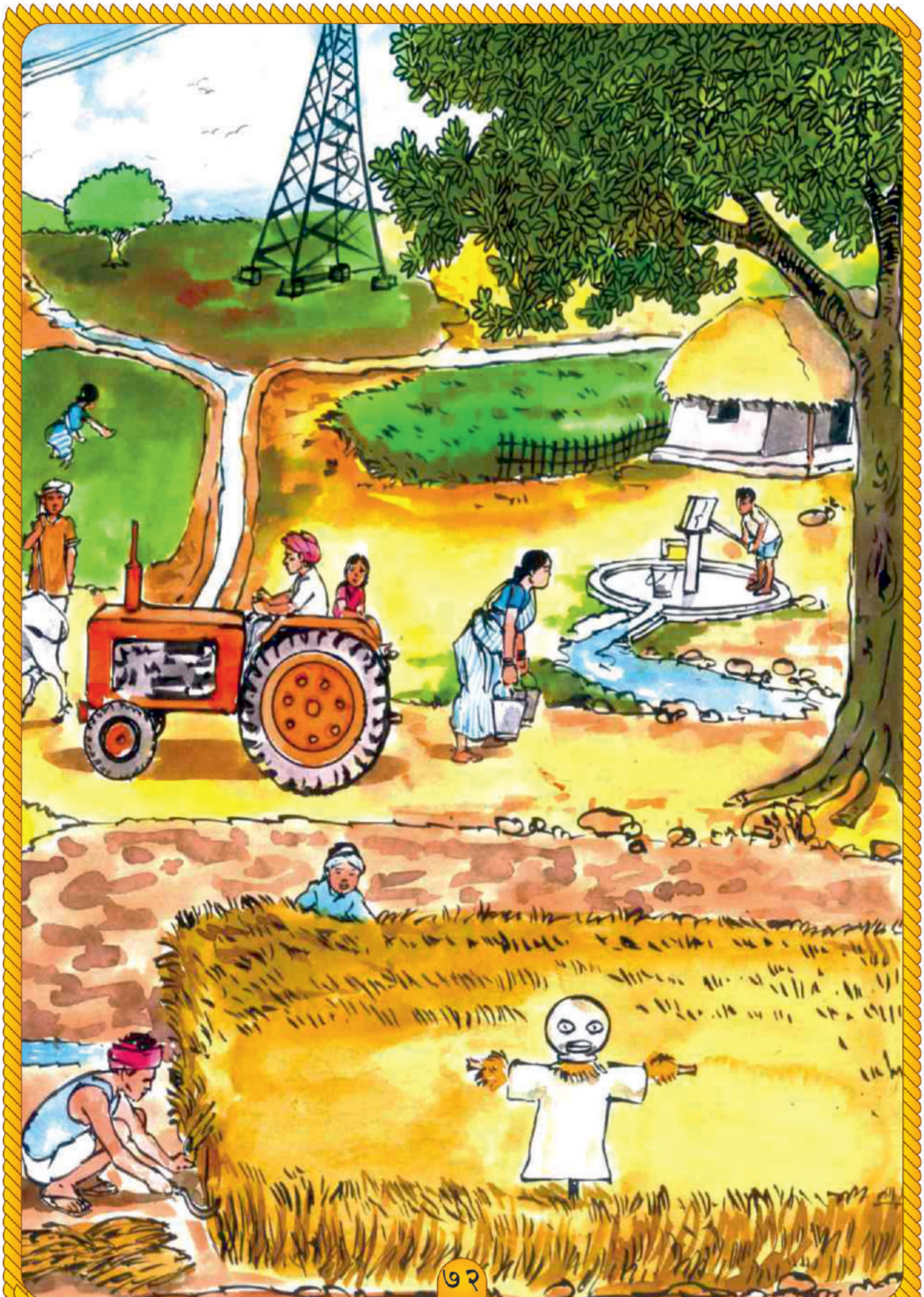

छोटी का कमाल

3QQJS6

समरसिंह थे बहुत अकड़ते,
छोटी, कितनी छोटी।
मैं हूँ आलू भरा पराँठा,
छोटी पतली रोटी।
मैं हूँ लंबा, मोटा तगड़ा,
छोटी पतली दुबली।
मैं मोटा पटसन का रस्सा,
छोटी कच्ची सुतली।
लेकिन जब बैठे सी-साँ पर,
होश ठिकाने आए,
छोटी जा पहुँची चोटी पर
समरसिंह चकराए।

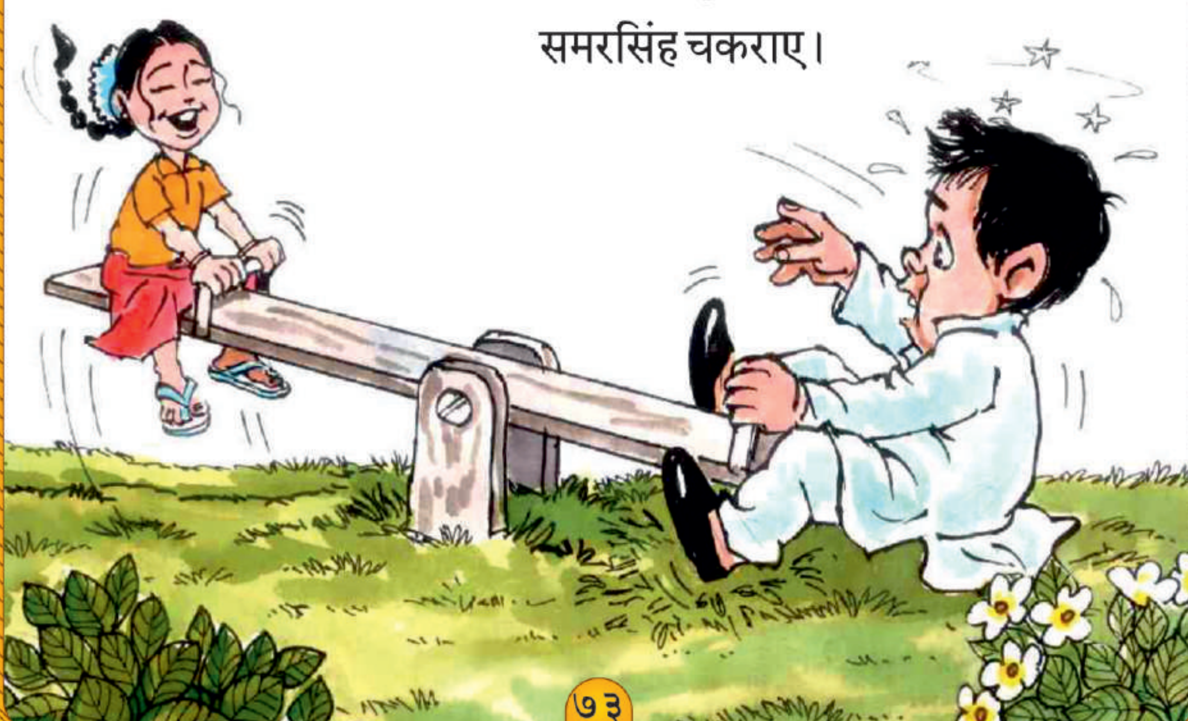

पहुँचेगा कौन चोटी पर

3QZFTT

मोटा-तगड़ा समरसिंह नीचे रह गया।
पतली-दुबली छोटी ऊपर पहुँच गई।

बताओ इनमें से कौन ऊपर जाएगा, कौन नीचे रह जाएगा ?

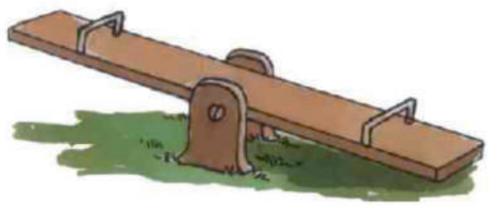

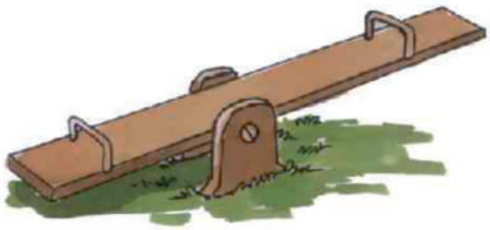

तुम　　　　　　　　तुम्हारा दोस्त / सहेली

· गोला लगाओ

समरसिंह बहुत अकड़ते थे। इनमें से कौन-कौन अकड़ेगा ?

राजा	कक्षा का मॉनीटर	सुहानी	
पहलवान	शेर	चोर	तुम्हारा दोस्त

● बच्चों से सी-साँ पर चित्र बनवाए जा सकते हैं। बच्चों से पूछें सी-साँ को वे अपनी भाषा में क्या कहते हैं ?

चार चने

3R9BVG

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय टाँय गाता,
टाँय-टाँय गाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मजा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मजा आता।

चार चने होते तो

चार चने देकर इनसे क्या-क्या करवाया जा सकता है ?

माली - ....

हलवाई- ....

दीदी- ....

दोस्त- ....

किसने खाया ?

चार चनों में से

एक चना .... को खिलाया।

दूसरा चना...............................।

तीसरा चना..............................।

एक चना बच गया, उसे किसे खिलाओगे ?

....

....